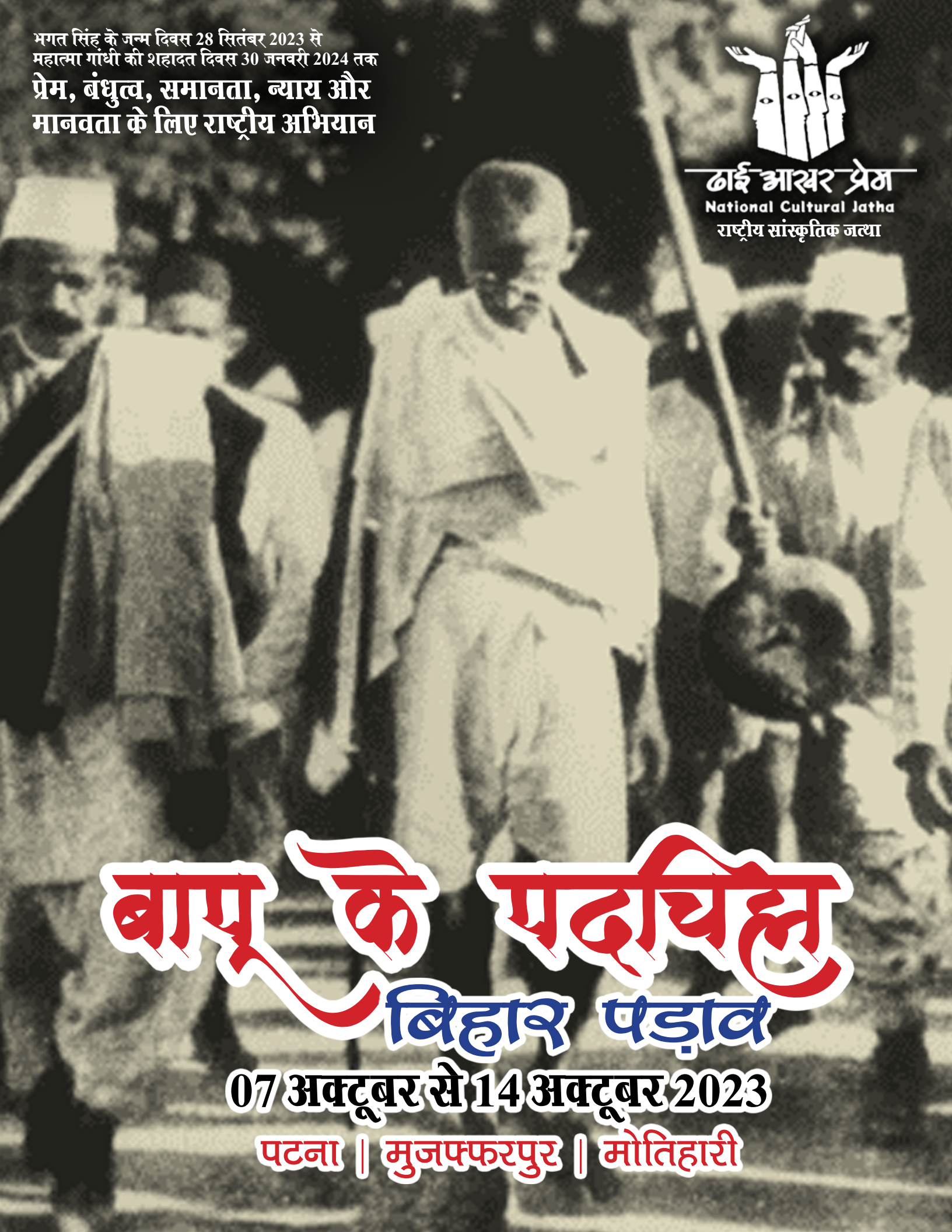

भगत सिंह के जन्म दिवस 28 सितंबर 2023 से
महात्मा गांधी की शहादत दिवस 30 जनवरी 2024 तक

प्रेम, बंधुत्व, समानता, न्याय और मानवता के लिए राष्ट्रीय अभियान

ढाई आखर प्रेम
National Cultural Jatha
राष्ट्रीय सांस्कृतिक जत्था

बापू के पदचिह्न

बिहार पड़ाव

07 अक्टूबर से 14 अक्टूबर 2023

पटना | मुजफ्फरपुर | मोतिहारी

बिहार पड़ाव का ऐतिहासिक व सांस्कृतिक महत्व

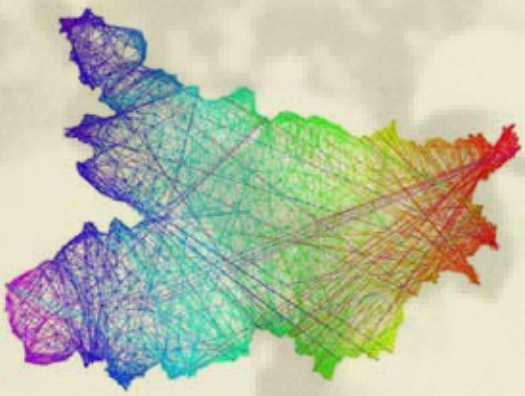

चंपारण

चंपारण का नाम चंपा+अरण्य से बना है जिसका अर्थ होता है- चम्पा के पेड़ों से भरा जंगल। पूर्वी चम्पारण के उत्तर में एक ओर जहाँ नेपाल तथा दक्षिण में मुजफ्फरपुर स्थित है, वहीं दूसरी ओर इसके पूर्व में शिवहर और सीतामढ़ी तथा पश्चिम में पश्चिमी चम्पारण जिला है।

लोक मान्यताओं के अनुसार चंपारण को सीता की शरणस्थली माना जाता है। राजा जनक के समय यह तिरहुत प्रदेश का हिस्सा था।

भगवान बुद्ध ने यहाँ अपना उपदेश दिया था जिसकी याद में तीसरी सदी ईसापूर्व में प्रियदर्शी अशोक ने स्तंभ लगवाए और स्तूप का निर्माण कराया।

चंपारण की भूमि ने सूफी आन्दोलन के लिए भी उर्वर जनाधार प्रदान किया। मेहसी (पूर्वी चंपारण) में सैयद ख्वाजा हलीम शाह चिश्ती की दरगाह व मजार गंगा-जमुनी सांस्कृतिक विरासत की शानदार स्मारक है।

चंपारण के ही एक रैयत राजकुमार शुक्ल के बुलावे पर 10 अप्रैल 1917 को गांधी कलकत्ता से पटना के बांकीपुर जंक्शन (पटना जंक्शन) पर उतरे। एक दिन बाद मुजफ्फरपुर आये और फिर 15 अप्रैल को चम्पारण की धरती पर पहला कदम रखा। उन्हाने नील की खेती के लिए लागू तीनकठिया खेती के विरोध में सत्याग्रह का पहला सफल प्रयोग किया।

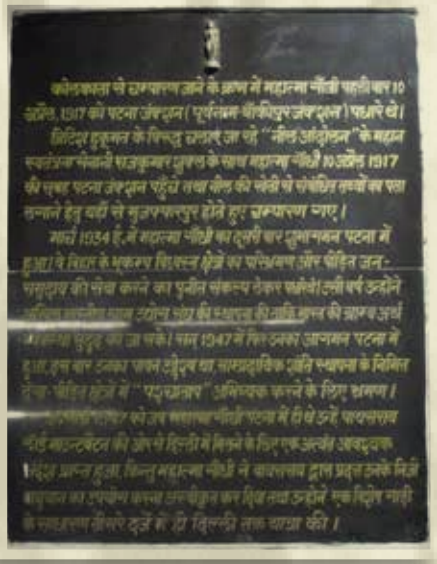

बापू मोतिहारी में थे और अंग्रेज अफसर इरविन ने जहर देकर उनकी हत्या की साजिश रची। खानसामा बत्तख मियां थे और उन्होने हिन्दुस्तानी होने का फर्ज निभाया। हत्या की साजिश बेनकाब हुई लेकिन बत्तख मियां और उनके परिवार को बहुत कुछ चुकाना पड़ा।

सत्याग्रह आंदोलन के दौरान चंपारण स्थित बड़हरवा लखनसेन में 13 नवंबर 1917 को महात्मा गांधी ने शिवगुलाम लाल की सहायता से पहली बुनियादी पाठशाला की स्थापना की। उनका उद्देश्य चंपारण में गंदगी, अशिक्षा को दूर करने के साथ-साथ बीमार व दुर्बल लोगों के स्वास्थ्य को ठीक करना था।

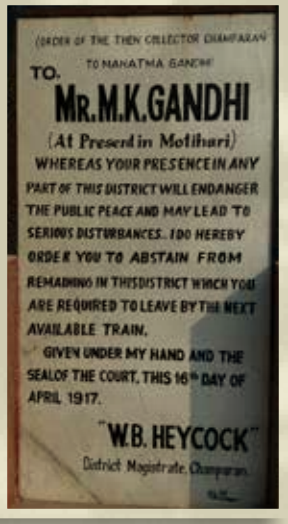

(ORDER OF THE THEN COLLECTOR CHAMPARAN TO MAHATMA GANDHI)

TO.

MR.M.K.GANDHI

(At Present in Motihari)

WHEREAS YOUR PRESENCE IN ANY PART OF THIS DISTRICT WILL ENDANGER THE PUBLIC PEACE AND MAY LEAD TO SERIOUS DISTURBANCES.. I DO HEREBY ORDER YOU TO ABSTAIN FROM REMAINING IN THIS DISTRICT WHICH YOU ARE REQUIRED TO LEAVE BY THE NEXT AVAILABLE TRAIN.

GIVEN UNDER MY HAND AND THE SEAL OF THE COURT, THIS 16th DAY OF APRIL 1917.

"W.B. HEYCOCK"

District Magistrate, Champaran.

चंपारण एक प्रयोग था। सत्याग्रह की थ्योरी। गांधी रातोरात देश के जाने माने लीडर हो गए। आगे खेड़ा सत्याग्रह और असहयोग आंदोलन के साथ वे देश की राजनीतिक चेतना के केंद्र हो गए। चंपारण में कुछ लोग उन्हें बापू कहने लगे थे। वहीं सन्त राउत ने एक सभा मे गांधी 'महात्मा' कहकर पुकारा। बैरिस्टर गांधी, चंपारण से बापू और महात्मा बनकर लौटा। यह सम्बोधन, चंपारण का यह नील, गांधी की ग्रीवा में वैसे ही तरह ठहर गया, जैसे शिव की ग्रीवा में हलाहल ठहर गया था।

चंपारण की जमीन को गांधी का स्पर्श हुए सौ साल से अधिक गुजर चुके हैं।

राष्ट्र आज फिर पीड़ा में है। एक अदद गांधी की फिर तलाश है। कितने ही चंपारण बाट जोह रहे हैं। हर चंपारण को गांधी की तलाश है।

चम्पारण के कण कण में कोई कस्तूरबा है, कोई राजकुमार शुक्ल है, कोई गोरख प्रसाद है, कोई शेख गुलाब है, लोमराज सिंह है, हरिवंशराय है, शीतलराय है, बिन मुहम्मद मुनीस है। कोई डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद है, कोई धरतीधर बाबू है, कोई रामनवमी बाबू है, जेपी कृपलानी जी है।

केसरिया का बौद्ध स्तूप

मोतिहारी से 35 किलोमीटर दूर साहेबगंज-चकिया मार्ग पर लाल छपरा चौक के पास अवस्थित है प्राचीन ऐतिहासिक स्थल केसरिया। यहाँ एक वृहद बौद्ध कालीन स्तूप है जिसे केसरिया स्तूप के नाम से जाना जाता है।

लौरिया नन्दनगढ़

अरेराज अनुमंडल के लौरिया गांव में स्थित अशोक स्तंभ की ऊंचाई 36.5 फीट है। इस स्तंभ (बलुआ पत्थर से निर्मित) का निर्माण 249 ईसा पूर्व सम्राट अशोक के द्वारा किया गया था। इसपर प्रियदर्शी अशोक लिखा हुआ है। इस स्तंभ को स्तंभ धर्मलेख के नाम से भी जाना जाता है।

गाँधी स्मारक (मोतिहारी)

18 अप्रैल 1978 को वरिष्ठ गांधीवादी विद्याकर कवि ने इस स्तंभ को राष्ट्र को समर्पित किया। इस स्तंभ का निर्माण महात्मा गांधी के चंपारण सत्याग्रह की याद में शांति निकेतन के मशहूर कलाकार नन्द लाल बोस के द्वारा किया गया। चुनार पत्थर से निर्मित इस स्तंभ की लंबाई 48 फीट है। स्मारक का निर्माण ठीक उसी जगह किया गया है जहां गाँधीजी को 18 अप्रैल 1917 में धारा 144 का उल्लंघन करने के जुर्म में अनुमंडलाधिकारी की अदालत में पेश किया गया था।

जॉर्ज ऑरवेल स्मारक

अंग्रेजी साहित्य के महान लेखक जॉर्ज ऑरवेल की याद में स्मारक तैयार किया गया, जो उनके बचपन की यादों को संजोता है।

विश्व कबीर शांति स्तंभ, बेलवातिया

पीपराकोठी प्रखंड के बेलवातिया गांव में पूरे भारत का आठवां एवं बिहार का अब तक इकलौता विश्व कबीर शांति स्तंभ स्थापित है। प्रति वर्ष अनंत चतुर्दशी को त्रिदिवसीय संत सम्मेलन का आयोजन किया जाता है जिसमे देश विदेश के संत महात्मा भक्त का समागम होता है। यह आश्रम धार्मिक समाजिक राजनैतिक व अध्यात्मिक साधना का केंद्र है।

ढाई आखर प्रेम

National Cultural Jatha

28 September 2023 to 30 January 2024

प्रिय दोस्तो,

हम समान विचारधारा वाले प्रगतिशील सांस्कृतिक संगठन आपको 'ढाई आखर प्रेम' नामक हमारे सांस्कृतिक अभियान में आमंत्रित कर रहे हैं। यह एक राष्ट्रव्यापी सांस्कृतिक जत्था (पैदलयात्रा) है जो 28 सितंबर 2023 (भगत सिंह जयंती) को अलवर, राजस्थान से शुरू होकर देश के 22 राज्यों की यात्रा करते हुए 30 जनवरी 2024 (महात्मा गांधी शहादत दिवस) को दिल्ली में समाप्त होगा। यह जत्था आपसी प्रेम, शांति और सौहार्द्र का उत्सव है जो दुनिया में व्याप्त नफ़रत और अविश्वास की भावना के जवाब में हम संस्कृतिकर्मियों और जिम्मेदार नागरिकों की एक जरूरी पहल है।

इस जत्था के रास्तों में मिलने वाले लोगों के सम्मान में हम गीत गाएंगे, नृत्य करेंगे, नाटक प्रस्तुत करेंगे, हथकरघा से बनीं चीजें लोगों से साझा करेंगे जिन्हें आज लोग विस्मृत कर चुके हैं, अपनी माटी में रंगे प्रेम के धागों को बुनने और बांटने वाले समाज सुधारकों, संतों, कलाकारों, लोक-कलाकारों, कवियों और आजादी के दीवानों को याद करते उनके जन्म और कर्मस्थली जाएंगे। 'ढाई आखर प्रेम' जत्था गंगा-जमुनी तहजीब की ऊष्मा से भरा स्वतंत्रता, समता, न्याय और एकजुटता को फिर से पाने और जीने की कोशिश के साथ इसे पुनः समाज में स्थापित करने का प्रयास है जिसे नफरत, विभाजन, अहंकार और पहचान की वर्तमान राजनीति ने बड़ी क्रूरता से कमजोर कर किया है।

'ढाई आखर प्रेम' के इस जत्था में हम सभी प्रगतिशील सामाजिक, सांस्कृतिक संगठनों, कलाकारों, कवियों, लेखकों, संगीतकारों, बुद्धिजीवियों, सामाजिक-सांस्कृतिक व पर्यावरण कार्यकर्ताओं के साथ आम जन को भी इस सामूहिक अभियान में सहभागिता के लिए आवाज दे रहे हैं, आमंत्रित कर रहे हैं। आप हमारे दोस्त, सहयोगी और सहयात्री के रूप में इस राष्ट्रीय अभियान में सहज ही समान रूप से शामिल हो सकते हैं, हम आपका दिल से स्वागत करते हैं।

जत्था के पड़ाव

7 अक्टूबर 2023	पदयात्रा - बांकीपुर (पटना) जंक्शन से गांधी मैदान, सांस्कृतिक संवाद - भिखारी ठाकुर रंगभूमि, गांधी मैदान
8 अक्टूबर 2023	मुजफ्फरपुर जंक्शन से गाँधी कूप की पदयात्रा. जनगीत व जनसंवाद - लंगट सिंह कॉलेज, मुजफ्फरपुर. चम्पारण आगमन व गांव की पदयात्रा. सांस्कृतिक संवाद - महात्मा गाँधी राजकीय माध्यमिक विद्यालय, पट्टी, मोतिहारी. सलिक सिंह राजकीय मध्य विद्यालय तक पदयात्रा
9 अक्टूबर 2023	जसौली पट्टी गाँव की प्रभातफेरी एवं जनसंवाद. जनगीत व जनसंवाद - लोम राज सिंह स्मारक, जसौली पट्टी, बनबीरवा, कोइरगांवा. बचपन से दोस्ती व सद्भावना वृक्षारोपण - कंझिया विद्यालय. सांस्कृतिक संवाद - कोटवा बाज़ार
10 अक्टूबर 2023	कोटवा बाज़ार की प्रभातफेरी एवं जनसंवाद. जनगीत व संवाद - नागर चौक. बचपन से दोस्ती व सदभावना वृक्षारोपण - हेमंत छपरा चिउटान्हा उच्च विद्यालय. जनगीत व जनसंवाद - गैर व अमवा. सांस्कृतिक संवाद - माधोपुर कमिटी चौक. बचपन से दोस्ती व सदभावना वृक्षारोपण - सेंवरिया विद्यालय. जनगीत व जनसंवाद - तुरकौलिया चौक. सांस्कृतिक संवाद - तुरकौलिया नीम पेड़
11 अक्टूबर 2023	तुरकौलिया नीम पेड़ से प्रभातफेरी एवं जनसंवाद. जनगीत एवं जनसंवाद - कोरैया गाँव. बचपन से दोस्ती व सदभावना वृक्षारोपण - मठवा विद्यालय. सांस्कृतिक संवाद - बिशनपुरवा विद्यालय पुस्तकालय. जनगीत व जनसंवाद - सपही जटवा, सपही आदर्श चौक, हदमरव गाँव, वृतिया 5 नम्बर वार्ड. सांस्कृतिक संवाद - सपही बाज़ार
12 अक्टूबर 2023	सपही बाज़ार की पदयात्रा एवं जनसंवाद. जनगीत व जनसंवाद - कोडरवा, चौलान्हा चौक (कुड़िया), चौलान्हा बाज़ार चौक, अजगरी पकड़िया चौक, बत्तख मियां की मजार (अजगरी). सांस्कृतिक संवाद - राष्ट्रीय उच्च पथ 28 अवधेश चौक
13 अक्टूबर 2023	पदयात्रा, प्रभातफेरी एवं जनसंवाद. सांस्कृतिक संवाद - मोतिहारी शहर
14 अक्टूबर 2023	मोतिहारी शहर की पदयात्रा. पदयात्रा समापन समारोह - गांधी संग्रहालय स्मारक भवन, मोतिहारी

अधिक जानकारी के लिए

बिहार संयोजकः

फीरोज़ अशरफ खाँ, फोनः +91 94733 80033

इन्द्रभूषण रमण 'बमबम', फोनः +91 70041 95951

पीयूष सिंह, फोनः +91 93347 16620

ईमेलः biharipta47@gmail.com

केन्द्रीय संयोजन दलः

फोनः +91 98210 43733

ईमेलः dhaiaakharprem@gmail.com

REGISTER HERE

जत्था में शामिल होने के लिए रजिस्ट्रेशन हेतु यहाँ क्लिक करें

Follow for updates

www.dhaiaakharprem.in

www.facebook.com/dhaiaakharprem

@dhaiaakharprem

@dhaiaakharprem2023

www.youtube.com/@dhaiaakharprem

भारतीय जननाट्य संघ (इप्टा), बिहार · भारतीय जन विकलांग संघ, मोतिहारी · बिहार महिला समाज · दलित अधिकार मंच, पटना · इस्कफ, बिहार · आइडिया, मोतिहारी जन संस्कृति मंच, बिहार · जनवादी लेखक संघ, बिहार · कृषक विकास समिति, मोतिहारी · लोक परिषद् · महात्मा गांधी लोमराज सिंह पुस्तकालय पट्टी जसौली प्रगतिशील लेखक संघ, बिहार · प्रेरणा (जनवादी सांस्कृतिक मोर्चा) · सीताराम आश्रम, बिहटा (पटना)

आयोजन समिति (मोतिहारी)

अमर भाई (संयोजक) · विनय कुमार (सह संयोजक) · मंकेश्वर पाण्डेय (सह संयोजक) · अजहर हुसैन अंसारी · दिग्विजय कुमार · हामिद रजा · उमाशंकर प्रसाद